हर घर जल
जल जीवन मिशन
उत्तर प्रदेश

आई0 ई0 सी0 एवं जागरूकता गतिविधियाँ
(वर्ष 2024-25)

जल जीवन मिशन
स्वच्छ सुजल गाँव
उत्तर प्रदेश में आपका हार्दिक अभिनंदन है
नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उत्तर प्रदेश
महाकुम्भ-2025
स्वच्छ सुजल गांव उत्तर प्रदेश में आपका हार्दिक स्वागत है
पानी की हर बूँद बचाओ, धरती पर हरियाली लाओ।
जल है धरती की मुस्कान इसे बचाकर करो सम्मान।
बहे जो बेवजह हर धारा सूख जाएगा कल हमारा।
पानी से सशक्त हुई नारी अब हर दिशा में है उसकी कहानी!
सूखा होगा कल हमारा अगर बहाओ जल की धारा।
बूँद-बूँद जो बचाएंगे वही असली नायक कहलाएंगे।
बहती नदियाँ, झरनों की बूंदें ये अमृत हैं, इसे ना लूटें
गांव-गांव तक जल का संग हर घर में सजे खुशियों का रंग!
जल जीवन मिशन

जल जीवन मिशन आई0 ई0 सी0 के अंतर्गत अपनाई गई रणनीति

- इनडोर गतिविधियाँ
- आउटडोर गतिविधियाँ
- नवाचार (Innovation)
- प्रकाशन, थीम सांग और फिल्म
- जन जागरूकता गतिविधियाँ
- कॉन्फ्रेंस और कार्यशाला
- सोशल मीडिया

इनडोर गतिविधियाँ

जन–जागरुकता कार्यशाला (59761)	स्वच्छता सर्वेक्षण कार्यक्रम (98445)	पेयजल एवं स्वच्छता सम्बन्धी वॉल राइटिंग/ग्रैफिटी (304435)
स्वच्छता क्लब का गठन एंव ड्राइंग प्रतियोगिता कार्यक्रम (117720)	आँगनवाड़ी केन्द्रों पर पेयजल एवं स्वच्छता सम्बन्धी जागरुकता कार्यक्रम (117720)	पेयजल एवं स्वच्छता मेला (98445)
नुक्कड़ नाटक (98445)	पेयजल एवं स्वच्छता समिति की बैठक एवं अभिमुखीकरण कार्यक्रम (58860)	स्वास्थ्य एवं कल्याण समिति की बैठक (58860)
प्रोजेक्टर के माध्यम से फिल्म प्रदर्शन/वीडियो–शो प्रदर्शन (98445)	सामाजिक मानचित्रण द्वारा सोशल मैपिंग कार्यक्रम (98445)	स्वच्छता प्रदर्शनी (98445)

आउटडोर गतिविधियाँ

होर्डिंग (70216) View Images

फिक्स्ड LED–स्क्रीन (225) View Images

फ्लेक्सी बैनर (192616) View Images

एल0ई0डी0 वैन के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम (70216) View Images

थीम वीडियो/फिल्म (750) View Images

दीवार लेखन (स्लोगन) (5897490) View Images

नवाचार (Innovation)

जल ज्ञान यात्रा

"जल ज्ञान यात्रा" जल संरक्षण और जल संसाधनों के बेहतर उपयोग के लिए एक अनूठी पहल, जिसने भविष्य की पीढ़ियों को जल संकट से बचाने की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस यात्रा के माध्यम से समाज को जल संरक्षण के प्रति जागरूक करने और स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए प्रयास किये गए ।

जल ज्ञान यात्रा

जल ज्ञान यात्रा के तहत सरकारी स्कूलों के उत्तर प्रदेश के **75 जनपदों** में से अब तक **68 जनपदों** में कुल **72 जल ज्ञान यात्राओं** का आयोजन किया गया था, जिसमें कुल **688 विद्यालयों** के **10222 बच्चे** तथा **970 अध्यापक/अध्यापिकाओं** ने प्रतिभाग किया।

जल अभिनंदन

जल अभिनंदन उत्तर प्रदेश राज्य द्वारा एक उत्कृष्ट पहल है। यह एक ऐसी पहल है जहां ग्रामीण जल जीवन मिशन के तहत किए गए कार्यों की सराहना हैं। यह गतिविधि सरकारी अधिकारियों और टीमों के प्रति ग्रामीणों की हृदय से आभार व्यक्त करती है, जिन्होंने उनके घरों तक पेयजल पहुंचाने के लिए समर्पित होकर के काम किया है। जल अभिनंदन गतिविधि उन गांवों में आयोजित की जाती है जहां 'हर घर जल' का 100% कार्य सफलतापूर्वक पूरा हो गया है। इस गतिविधि में समुदाय के प्रतिनिधि, जिनमें ग्राम प्रधान, वीडब्ल्यूएससी और एफटीके में प्रशिक्षित महिलाएं व अन्य समुदाय के सदस्य शामिल होते है।

"जल अभिनन्दन" कार्यक्रम उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन के लक्ष्यों को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह न केवल ग्रामीणों को स्वच्छ और सुरक्षित जल उपलब्ध कराने में मदद करता है, बल्कि जल संसाधनों के प्रति स्वामित्व (Ownership) की भावना विकसित कर, उन्हें आत्मनिर्भर भी बनाता है।

जल दीपावली

आज़ादी के 75वें वर्ष में उत्तर प्रदेश के लगभग 51 लाख ग्रामीण परिवारों ने 5 करोड़ से अधिक दीये जलाकर अपने घरों तक स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति शुरू होने का उत्सव मनाया।

यह आयोजन विशेष रूप से उन क्षेत्रों के लिए महत्वपूर्ण था, जहां वर्षों से स्वच्छ पानी की समस्या बनी हुई थी। जल दीवाली पर्व ने न केवल लोगों के जीवन में उजाला किया, बल्कि स्वच्छ जल की उपलब्धता से उनके स्वास्थ्य और जीवन स्तर में भी सुधार लाने का मार्ग प्रशस्त किया।

जल सेवा जन सेवा

वर्ष 2024 में पड़ी भीषण गर्मी में राहगीरों और आम जनता को शुद्ध व ठंडा पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल जीवन मिशन उत्तर प्रदेश के तहत शहरों में 3,000 से अधिक जल सेवा केंद्र स्थापित किए गए। इन केंद्रों ने बड़े प्याऊ की तरह काम किया, जहां लोगों को मुफ्त में स्वच्छ पानी मुहैया कराया गया। इन केंद्रों को विशेष रूप से अस्पतालों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टैंड, बाजारों और धार्मिक स्थलों के पास लगाया गया।

प्रकाशन, थीम सांग और फिल्म

बुंदेलखंड की भई तरक्की... (आल्हा गीत)

View Video

अब साफ मिल रहा पानी

View Video

जल जीवन जल ज़िंदगी है...

View Video

जल जीवन हरियाली भइल...

View Video

बुंदेलखंड फिल्म

View Video

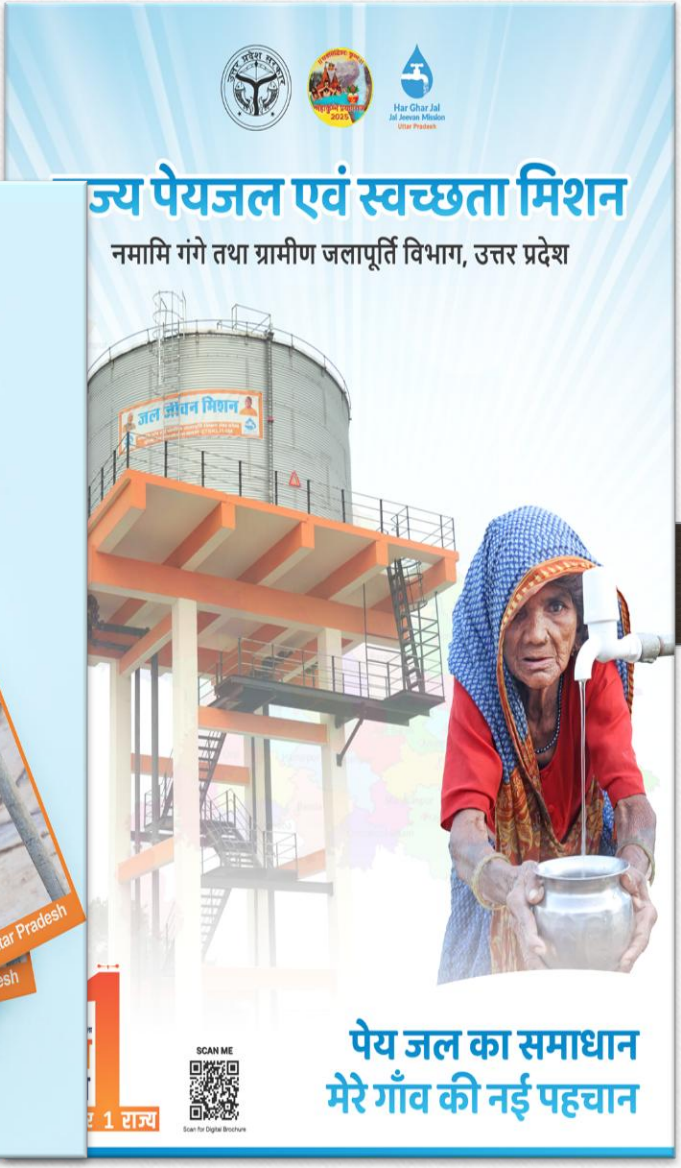

जन जागरूकता गतिविधियाँ

महाकुम्भ - 2025

स्वच्छ सुजल गाँव

वर्ष **2025** में प्रयागराज में महाकुम्भ मेला क्षेत्र में जल जीवन मिशन के अंतर्गत बनी **स्वच्छ सुजल गाँव प्रदर्शनी** में दिखी नये भारत के नये उत्तर प्रदेश की झलक

- अवधि - 51 दिन
- क्षेत्र - 40 हजार स्क्वायर फीट
- आगंतुक - 30 लाख

स्वच्छ सुजल गाँव प्रदर्शनी के मुख्य आकर्षण केंद्र

पुरान बुंदेलखड

आर्ट गैलरी

सेल्फी प्वाइंट

जल मंदिर

नया बुंदेलखड

लैब

डिजिटल गेम जोन

महाकुम्भ - 2025

स्वच्छ सुजल गाँव

डिजिटल गेम जोन के माध्यम से बच्चों और युवाओं को मिला जल की महत्ता एवं जल संरक्षण का संदेश

द वॉटर रन गेम

वीडियो गेम

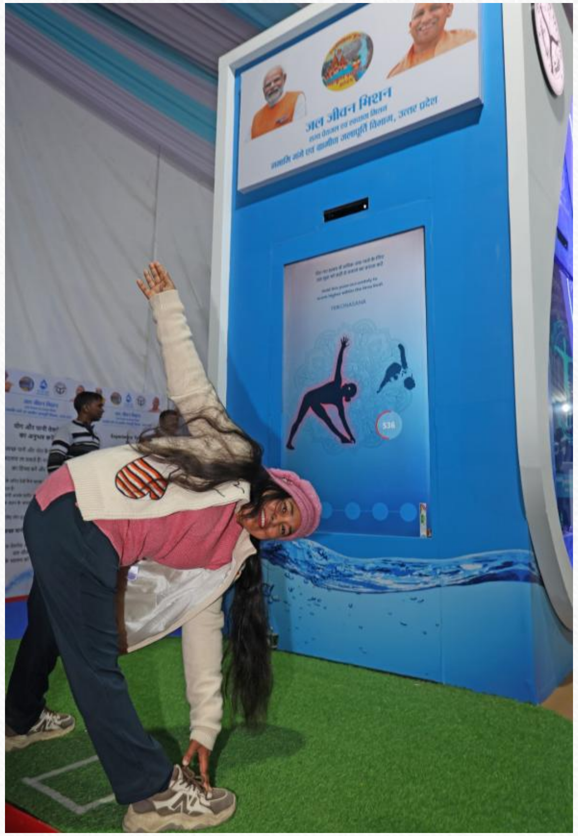

क्विज प्रतियोगिता

विभिन्न प्रदर्शनियों में क्विज प्रतियोगिता के आयोजन में प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया, विजेताओं को जल जीवन मिशन की कैप, मग और अन्य सामग्रियां उपहार स्वरूप भेंट की गईं।

महाकुम्भ - 2025

स्वच्छ सुजल गाँव प्रदर्शनी में आए कलाकारों को सांस्कृतिक समागम मंच प्रदान किया गया, जहां उन्होंने अपनी प्रतिभाओं को नृत्य, गायन एवं कविताओं के माध्यम से प्रस्तुत किया। कलाकारों द्वारा दी गई मनमोहक प्रस्तुतियों ने दर्शकों में उत्साह का संचार किया। मंच पर आए सभी कलाकारों को उपहार देकर सम्मानित भी किया गया।

महाकुम्भ - 2025

माघ मेला - 2024

वर्ष 2024 में प्रयागराज में माघ मेले के दौरान जल जीवन मॉडल गाँव प्रदर्शनी लगी । किस तरह से जल जीवन मिशन पूरे उत्तर प्रदेश में ग्रामीणों के जीवन में बदलाव ला रहा है, उसकी एक झांकी प्रयागराज के माघ मेले में देखने को मिली। इस मेले में पहुँचे करोड़ों श्रद्धालुओं के बीच उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन की यह प्रदर्शनी आकर्षण का केंद्र बनी ।

नोएडा इंटरनेशनल ट्रेड शो - 2024

सितंबर 2024 में ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में आयोजित 'यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो' में उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन ने 'हर घर जल गांव' थीम पर आधारित एक विशेष स्टॉल प्रस्तुत किया। इस मॉडल में उत्तर प्रदेश के गांवों में हुए सकारात्मक परिवर्तनों को दर्शाया गया और इसी वजह से यह स्टॉल देश-विदेश से आए मेहमानों और निवेशकों के लिए आकर्षण का केंद्र बना।

नोएडा इंटरनेशनल ट्रेड शो - 2024

वर्ष 2024 में नोएडा में आयोजित इंटरनेशनल ट्रेड शो में उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन द्वारा लगाई गई हर घर जल मॉडल गाँव प्रदर्शनी

कॉन्फ्रेंस और कार्यशाला

राज्य स्तरीय कार्यशाला
वाटर लाइन से लाइफ लाइन: स्वच्छ जल, डायरिया विफल - 2024

वर्ष 2024 में राज्य स्तर पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला “वाटर लाइन से लाइफ लाइन: स्वच्छ जल, डायरिया विफल” का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य स्वच्छ जल के महत्व को समझाना और डायरिया जैसी जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए प्रभावी रणनीतियाँ विकसित करना था। इस कार्यशाला में राज्य एवं जिले के चिकित्सालयों के दर्जन भर से अधिक चिकित्सक, ग्राम प्रधान, एफ टी के महिलाएं एवं मीडिया हाउस के प्रतिनिधि भी शामिल थे।

नेशनल कॉन्फ्रेंस - 2024

उत्तर प्रदेश में स्वच्छ भारत मिशन-ग्रामीण और राष्ट्रीय जल जीवन मिशन पर एक नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस सम्मेलन का उद्देश्य नवाचार और सहयोग को बढ़ावा देना था, जिसमें विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के हितधारकों ने भाग लिया। सम्मेलन में सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों को साझा करने पर व्यापक चर्चा की गई, जिससे स्वच्छता और जल प्रबंधन के क्षेत्र में नई संभावनाओं को बल मिला।

सोशल मीडिया

सोशल मीडिया

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन उत्तर प्रदेश के सोशल मीडिया पेज निम्नलिखित हैं जिसमें प्रतिदिन 6-7 पोस्ट किए जा रहे हैं।

Facebook - @Upswsm1

Last 90 Days

Reach - **10.6M**

Instagram - @upswsm

Last 90 days

Reach - **2.20M**

Youtube - @upswsm

Last 90 Days

Views – **1.4M**

X - @upswsm

Last 90 Days

Impressions – **139K**

सोशल मीडिया

Like & Reposts from
Ministry of Jal Shakti and Jal Jeevan Mission

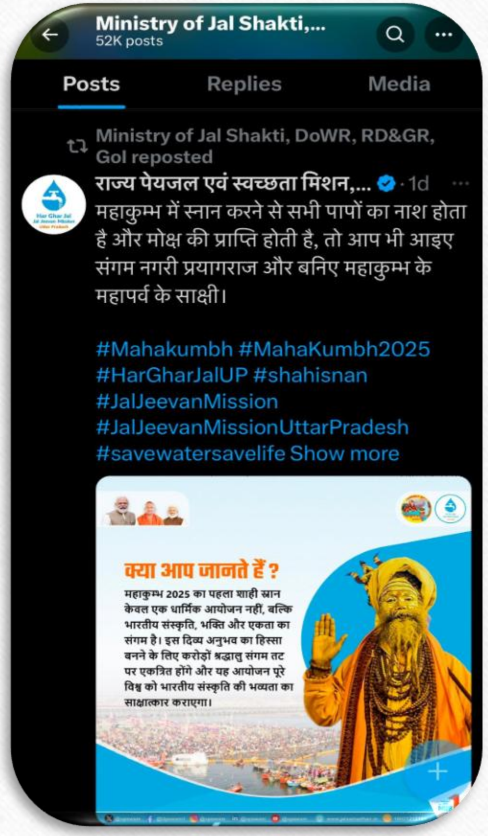

सोशल मीडिया

Like & Reposts from Government of UP and MyGov UP

सोशल मीडिया

Type of Posts

Creative

Motion Graphics

Carousal

सोशल मीडिया

Type of Posts

Reel

Video

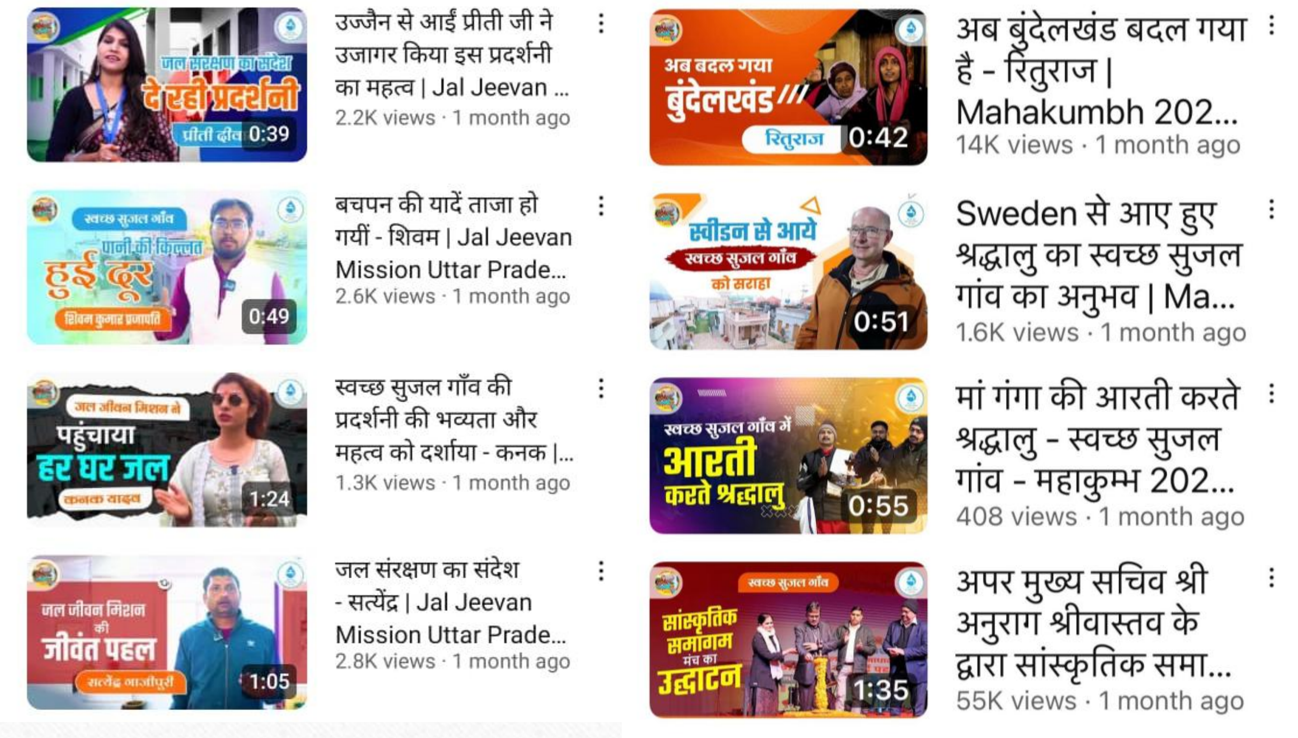

सोशल मीडिया

Type of Creative

Swachh Sujal Gaon

उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन एवं स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) द्वारा सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता प्रदान करने के क्षेत्र में जिन गाँव को "स्वच्छ सुजल गाँव" का दर्जा प्राप्त होता है उन ग्रामवासियों को इस तरह से बधाई संदेश दिया जाता है।

District FHTC

हम जनपद में लगे रहे नल कनेक्शन की जानकारी को एक अनूठे स्लोगन के रूप में लिख रहे हैं, जिसमें जनपद की प्रसिद्धि या वहां के एक जनपद एक उत्पाद के साथ जल की महत्ता के बारे में बताया जा रहा है।

सोशल मीडिया

Type of Creative

Did you know?

Quiz

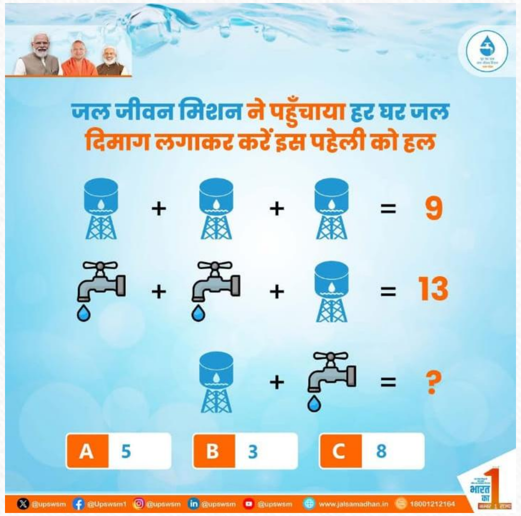

हम सोशल मीडिया पर एक अनूठी पहल के तहत क्रिएटिव और प्रभावशाली कंटेंट तैयार कर रहे हैं, जो न केवल आकर्षक है बल्कि नए विचारों और इनोवेशन को भी बढ़ावा देता है।

डिजिटल कैंपेन

उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन के तहत जल संरक्षण के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए कई अभियान चलाए गए हैं, जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं -

---

- जल उत्सव
- जल सेवा, नल सेवा
- हर घर पानी, हर घर खुशहाली
- स्वच्छ जल बेहतर कल
- स्वच्छ जल अपनाना, पानी हमें बचाना हैं
- विश्व जल दिवस कैंपेन
- जल जीवन मिशन संदेश अभियान
- स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के तहत स्वच्छता अभियान
- जल संरक्षण जागरूकता अभियान
- हर घर जल अभियान

जल कथा – 2024-25

जल जीवन मिशन से पहले उत्तर प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में जल संकट के कारण लोगों को कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। मिशन के तहत स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता बढ़ने से उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आए हैं। इन्हीं बदलावों को "जल कथा" के रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिसमें 20 मार्मिक कहानियों को डिजिटल स्टोरी कैंपेन के रूप में हमारे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया गया है।

मीडिया कवरेज

प्रिंट मीडिया

‘Swachh Sujal Gaon’ at Maha Kumbh draws 30 lakh devotees

Times News Network

Lucknow: More than 30 lakh devotees and tourists visited the ‘Swachh Sujal Gaon,’ set up by the Namami Gange and rural water supply department at the Prayagraj Maha Kumbh-2025.

An official said that 10,229 youths were awarded in a quiz competition on ‘Nal Se Jal’, while more than 3.60 lakh participants engaged digitally in ‘Jal Jeevan Mission: The water run games’. The department also presented ‘Jal Prasad’ to 25 lakh guests.

“The ‘Swachh Sujal Gaon’ showcased UP’s journey towards rural prosperity, highlighting the positive changes brought about since 2017. Visitors also immersed themselves in the spiritual essence of the state by participating in the ‘Ganga Jal Aarti’ held every evening in the village,” the official said.

File photo

‘Swachh Sujal Gaon’ showcases UP’s journey towards rural prosperity

The village showcased the journey of Bundelkhand from water scarcity to Har Ghar Jal. Visitors also witnessed changes in UP through initiatives like PM Awas Yojana, Mukhyamantri Awas Yojana, Gram Panchayat development and solar energy integration.

“The theme of the village was ‘Peyjal ka Samadhan, Mere Gaon ki Nayi Pehchan’. Rural women from Bundelkhand shared powerful testimonies on a cultural platform, recounting how water scarcity once hindered marriages in Banda, Jhansi, and Chitrakoot, while in parts of Lalitpur and Mahoba, the burden of carrying water led to severe hair loss among women. Their stories highlighted the profound impact of access to clean water on daily life and well-being,” the official said.

View More

डिजिटल मीडिया

महाकुम्भ में नमामि गंगे विभाग के स्वागत से अभिभूत हुए आगंतुक

01 Mar 2025 16:13:32

-योगी सरकार ने बसाया था स्वच्छ सुजल गांव, गांव में आए 30 लाख लोगों ने देखी 'बदले यूपी की विकास गाथा' - 'नल से जल' पर हुई क्विज प्रतियोगिता, 10229 युवाओं को किया गया सम्मानित

लखनऊ, 01 मार्च (हि.स.)। योगी सरकार के नेतृत्व में लगे महाकुम्भ में नमामि गंगे व ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के 'स्वच्छ सुजल गांव' में पहुंचे आगंतुक स्वागत से अभिभूत हुए। गांव में आए 30 लाख लोगों ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में 'बदले यूपी की विकास गाथा' भी देखी। इस दौरान 'नल से जल' पर हुई क्विज प्रतियोगिता

View More

मीडिया कवरेज

हिन्दुस्तान

'हर घर जल गांव' बसाएगी योगी सरकार

योगी सरकार महाकुम्भ-2025 में 'हर घर जल गांव' बसाएगी। पेयजल का समाधान, मेरे गांव की पहचान थीम पर यह 'गांव' 40 हजार स्क्वायर फिट एरिया में बसेगा। इसमें एक तरफ जहां जल जीवन मिशन बुंदेलखंड में हर घर तक नल से जल पहुंचाने की कहानी सुनाई जाएगी, वहीं दूसरी तरफ महाकुम्भ में नए भारत के नए उत्तर प्रदेश के नए गांवों की सफलता की दास्तां से भी श्रद्धालु, पर्यटक व कल्पवासी परिचित होंगे। योगी सरकार के मार्गदर्शन में ग्रामीण जलापूर्ति व नमामि गंगे विभाग महाकुम्भ में इसकी तैयारी कर रहा है।

51 दिन तक चलेगी प्रदर्शनी, होंगे अलग-अलग कार्यक्रम

कभी प्यासे रहे बुंदेलखंड में योगी सरकार के प्रयास से पेयजल की समस्या का समाधान हो गया है। सफलता की इस कहानी को लेकर 'पेयजल का समाधान, मेरे गांव की नई पहचान' थीम पर प्रदर्शनी लगाई जाएगी। प्रदर्शनी 5 जनवरी से 26 फरवरी तक चलेगी। 51 दिन तक चलने वाली प्रदर्शनी में अलग-अलग कार्यक्रम भी होंगे। प्रदर्शनी में बुंदेलखंड के ग्रामीण महिलाओं को मंच मुहैया कराया जाएगा, जिसमें वे बुंदेलखंड में बदलाव की कहानी बयां करेंगी। बांदा, झांसी, चित्रकूट के जिन गांवों में पानी न होने के कारण शादी नहीं हो पाती थी, वहां भी योगी सरकार ने ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल पहुंचाया। ललितपुर व महोबा के उन गांवों की महिलाएं, पानी ढोने के कारण जिनके सिर से बाल गायब हो गए थे। वे भी डबल इंजन सरकार के अतुलनीय कार्य को महाकुम्भ में शुद्ध पानी से जीवन में आए बदलाव की कहानी को बयां करेंगी।

The Indian EXPRESS

REGIONAL CONFERENCE FROM TODAY

Govt to showcase solar energy-powered Jal Jeevan Mission projects

PRESS TRUST OF INDIA
LUCKNOW, NOVEMBER 20

UTTAR PRADESH'S innovative use of solar power in its Jal Jeevan Mission (JJM) projects, will be showcased at the Regional Conference on Good Governance being organised by the Government of India in Raipur, Chhattisgarh, starting Thursday.

Over 80 per cent of these JJM projects in UP are running on solar energy, a move that helped reduce project costs and minimise carbon emissions and reason why the state's solar usage is expected to be emulated by other states who are sending senior bureaucrats at the Raipur conference to study the UP model, the state government said in a statement.

Reflecting the potential of the UP model for nationwide acceptance, the IAS officers from other states who would attend the conference will gain insights into how Uttar Pradesh tapped solar power in its Jal Jeevan Mission projects, the government said.

UP's Additional chief secretary of Namami Gange and Rural Water Supply Department Anurag Srivastava will make a presentation under "Innovation State" on the subject at the conference.

NBT नवभारत टाइम्स

यूपी के जल जीवन मिशन में सोलर पावर मॉडल को अपनाएंगे देश के दूसरे राज्य, छत्तीसगढ़ के रायपुर में बजेगा डंका

21 नवंबर से छत्तीसगढ़ के रायपुर में भारत सरकार की ओर से दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। इसमें पहले सत्र में नमामि गंगे विभाग के अपर मुख्य सचिव जल जीवन मिशन में सोलर पावर के इस्तेमाल पर व्याख्यान देंगे। इसमें यूपी में जल जीवन मिशन की परियोजनाओं में सोलर पावर के इस्तेमाल का डंका बजेगा।

लखनऊ: छत्तीसगढ़ के रायपुर में भारत सरकार की ओर से आयोजित की जा रही रीजनल कॉन्फ्रेंस ऑन गुड गवर्नेंस में यूपी में जल जीवन मिशन की परियोजनाओं में सोलर पावर के इस्तेमाल का डंका बजेगा। कॉन्फ्रेंस में देशभर से आए आईएएस अफसर जानेंगे कि किस तरह से उत्तर प्रदेश जल जीवन मिशन की परियोजनाओं में सोलर पावर का इस्तेमाल कर परियोजना की लागत को कम कर रहा हैं। साथ ही साथ कॉर्बन उत्सर्जन कम करके पर्यावरण को भी सुरक्षित करने में अहम भूमिका निभा रहा है।

21 नवंबर से शुरू होने वाली दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में इनोवेशन स्टेट के तौर पर पहले सत्र में नमामि गंगे विभाग के अपर मुख्य सचिव जल जीवन मिशन में सोलर पावर के इस्तेमाल पर व्याख्यान देंगे। इसमें दूसरे राज्यों के अफसरों को बताया जाएगा कि किस तरह से यूपी जैसे बड़े राज्य में जल जीवन मिशन को सफलता से लागू किया गया और ये परियोजनाएं लंबे समय तक कम कीमत पर चल सकें, इसके लिए सोलर पावर का इस्तेमाल किया गया। भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा गुड गवर्नेंस के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की इस योजना को चुना गया है। ये कॉन्फ्रेंस देशभर के टॉप आईएएस अफसरों के लिए आयोजित की जाती है, जिसमें देशभर में चलाई जाने वाली योजनाओं में हुए उत्कृष्ट कार्यों को शामिल किया जाता है।

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन की 80 प्रतिशत से अधिक परियोजनाएं सोलर पावर पर आधारित हैं। जल जीवन मिशन परियोजना में इतने बड़े पैमाने पर सोलर पावर का इस्तेमाल करने वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है। भारत सरकार की तरफ से आयोजित की जा रही इस कॉन्फ्रेंस का मकसद है कि देश के दूसरे राज्य भी इसी तरह का मॉडल अपने-अपने राज्यों में अपनाएं, जिससे बिजली की बचत हो सके और परियोजनाएं लंबे समय तक चल सकें।

उत्तर प्रदेश में जल जीवन मिशन के अंतर्गत यूपी में कुल 41539 परियोजनाएं हैं, जिसमें से 33,157 जल जीवन मिशन के प्रोजेक्ट्स में सोलर एनर्जी का उपयोग किया जा रहा है। इससे रोजाना 900 मेगावाट बिजली पैदा हो रही है। ऐसा करने वाला उत्तर प्रदेश देश का अग्रणी राज्य है।

बिजली का खर्च 50 प्रतिशत से भी होगा कम

सोलर तकनीक के इस्तेमाल से गांवों में की जाने वाली जलापूर्ति की लागत में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। साथ ही पानी की सप्लाई के लिए इलेक्ट्रिसिटी पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है। लो मेंटिनेंस के साथ-साथ इन सौर ऊर्जा संयंत्रों की आयु 30 साल होती है। 30 साल के दौरान इन परियोजनाओं का संचालन सौर ऊर्जा के जरिए होने से करीब 1 लाख करोड़ रुपये की बचत होगी। इससे करीब 13 लाख मीट्रिक टन कार्बन डाई ऑक्साइड का इमिशन प्रतिवर्ष कम होगा।

12.50 लाख लोगों को चलाने की दी गई ट्रेनिंग

जल जीवन मिशन में सोलर आधारित पंपों को चलाने के लिए ग्रामीण इलाकों में 12.50 लाख लोगों को ट्रेनिंग दी गई है। ट्रेनिंग पाने वाले ग्रामीण ही इन परियोजनाओं का संचालन और सुरक्षा करेंगे।

the pioneer

UP's solar-powered Jal Jeevan Mission projects to be in focus

Lucknow (PNS): Uttar Pradesh's pioneering use of solar energy in its Jal Jeevan Mission projects, led by Chief Minister Yogi Adityanath, will be a key focus at the regional conference on good governance, organised by the Government of India in Raipur, Chhattisgarh, starting Thursday.

With more than 80% of these projects in Uttar Pradesh powered by solar energy, the state has set a benchmark that is expected to inspire other states to follow suit.

Senior bureaucrats from across the country will examine the Uttar Pradesh model during the two-day event, highlighting its potential for nationwide replication. IAS officers will gain valuable insights into how the state has harnessed solar power in its Jal Jeevan Mission, a move that has helped lower project costs while also reducing carbon emissions.Anurag Srivastava, Additional Chief Secretary of the Namami Gange and Rural Water Supply Department, will present the state's success under the "Innovation State" theme at the conference. His presentation will showcase how Uttar Pradesh's integration of solar power into water schemes has enabled the projects to operate more cost-effectively and sustainably over a longer period. The Government of India's Department of Administrative Reforms and Public Grievances has recognised Uttar Pradesh's initiative as a model of good governance in the sector.Under Chief Minister Yogi Adityanath's leadership, over 80% of the Jal Jeevan Mission projects in Uttar Pradesh are now powered by solar energy. The state is the first in India to adopt solar power on such a large scale, setting a new standard for sustainable practices. The goal of the conference is to encourage other states to adopt a similar model that reduces electricity consumption and ensures the long-term viability of projects, officials said.

दैनिक जागरण

अब उत्तर प्रदेश के सोलर पावर माडल को अपनाएंगे अन्य राज्य

- गुड गवर्नेंस थीम पर छत्तीसगढ़ में कान्फ्रेंस में इनोवेशन स्टेट के रूप में चुना गया यूपी

राज्य ब्यूरो, जागरण • लखनऊ : केंद्र सरकार द्वारा छत्तीसगढ़ के रायपुर में आयोजित की जा रही रीजनल कान्फ्रेंस आन गुड गवर्नेंस में यूपी में जल जीवन मिशन की परियोजनाओं में सोलर पावर के इस्तेमाल का डंका बजेगा। कान्फ्रेंस में देशभर से आए आइएएस अधिकारी जानेंगे कि किसी तरह से यूपी जल जीवन मिशन की परियोजनाओं में सोलर पावर का इस्तेमाल परियोजना की लागत को कम कर रहा है और कार्बन उत्सर्जन कम करके पर्यावरण को भी सुरक्षित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। उप्र में जल जीवन मिशन की 80 प्रतिशत से अधिक परियोजनाएं सोलर पावर पर आधारित हैं। भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा गुड गवर्नेंस के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश की इस योजना को चुना गया है। इस कान्फ्रेंस का मकसद है कि देश के दूसरे राज्य भी इसी तरह का माडल अपनाएं।

21 नवंबर से होने वाली कान्फ्रेंस में इनोवेशन स्टेट के तौर पर पहले सत्र में नमामि गंगे विभाग के अपर मुख्य सचिव अनुराग श्रीवास्तव जल जीवन मिशन में सोलर पावर के इस्तेमाल पर व्याख्यान देंगे। दूसरे राज्यों को बताया जाएगा कि कैसे यूपी जैसे बड़े राज्य में जल जीवन मिशन को सफलता से लागू किया गया और परियोजनाएं लंबे समय तक कम कीमत पर चल सकें, इसके लिए सोलर पावर का इस्तेमाल किया गया। यह कान्फ्रेंस देशभर के शीर्ष आइएएस अफसरों के लिए आयोजित की जाती है, जिसमें योजनाओं में हुए उत्कृष्ट कार्यों को शामिल किया जाता है। उप्र में जल जीवन मिशन के तहत कुल 41539 परियोजनाएं हैं, जिनमें से 33,157 परियोजनाओं में सोलर एनर्जी का उपयोग किया जा रहा है, जिससे रोजाना 900 मेगावाट बिजली पैदा हो रही है। सोलर तकनीक के इस्तेमाल से गांवों में की जाने वाली जलापूर्ति की लागत में 50 प्रतिशत से अधिक की कमी आई है। अगले 30 साल के दौरान इन परियोजनाओं का संचालन सौर ऊर्जा से होने से करीब एक लाख करोड़ रुपये की बचत होगी और करीब 13 लाख टन कार्बन डाई आक्साइड उत्सर्जन प्रतिवर्ष कम होगा।

View More

संवाद

उपभोक्ताओं की जल जीवन मिशन की हर घर नल योजना से संबंधित समस्याओं का समाधान संवाद के माध्यम से किया जाता है। साथ ही, ग्राम प्रधानों से आवश्यक जानकारियाँ एकत्रित की जाती हैं ताकि योजना का सुचारू रूप से संचालन सुनिश्चित किया जा सके।

जल समाधान

जल जीवन मिशन के अंतर्गत जल संबंधी शिकायतों एवं नए कनेक्शन लगवाने के लिए जल समाधान के टोल फ्री नंबर, वेबसाइट या ऐप के माध्यम से शिकायत दर्ज की जाती है।

18001212164

www.jalsamadhan.in

Android iPhone

जल जीवन मिशन

धन्यवाद

पेयजल का समाधान
मेरे गाँव की नई पहचान

राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन

नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग, उत्तर प्रदेश